Raga of the Month February,2024-Ragas Harikouns & Sehra राग हरिकौंस और सेहरा

राग ऑफ़ दि मंथ इस सीरीजमे हमेशा रंजक रागों के बारे में चर्चा होती है। नवनिर्मित रागोंमे ज्यादह तर रंजक राग ही सुनने में आते है। मगर आज हम कुछ नवनिर्मित राग जो रंजक नहीं है उनके बारेमे चर्चा करेंगे। वे राग सुनने में भी कम आते हैं। पहले हम राग रंजक क्यूँ होते हैं इस पर विचार करेंगे। रंजक रागोंमे अक्सर हम देखते हैं की उन रागोंके स्वरों में संवाद पाया जाता है, जैसे की ९ और १३ श्रुतियों का अंतर; या षड्ज - मध्यम तथा षड्ज - पंचम संवाद। ज्यादह तर स्वरोंमे षड्ज-मध्यम तथा षड्ज-पंचम संवाद होनेके कारन वे राग सुनने में सुरीले और मधुर लगते हैं।

उदाहरण के तौर पर हम राग मालकौंस और यमन के स्वरों का अभ्यास करते हैं

राग मालकौंस- सा ग म ध नि ; संवाद- {**सा-म**—सा म; ग ध ; म नि}; { **सा-प**-- ग नि }

राग यमन- सा रे ग मं प ध नि**; { सा-म**-- रे प; ग ध; मं नि }; { **सा-प**-- सा प; रे ध; ग नि }

अब हम उदाहरण के तौर पर दो ऐसे रागोंके स्वरोंका अभ्यास करते हैं जिनमे सा-म और सा-प संवाद कम स्वरोंमे पाया जाता है या उस संवादका अभाव है।

राग हरिकौंस - सा ग मं ध नि { **सा-प**-- ग नि }

और राग सेहरा - सा रे ग मं ध नि {**सा-म** या **सा-प** संवाद नही }

ये दोनों राग सुननेमें अच्छे नहीं लगते हैं ; इतना ही नहीं, बल्कि वे राग सुननेसे मन में अवसाद, निराशा या घृणा की भावना निर्माण होती है। दोनों राग ज्यादा समय के लिए सुन नहीं सकते। ऐसे और भी कई राग हो सकते हैं मगर नमुनेके लिए इन रागोंका थोड़ा अंश सुनेंगे।

आज के ऑडियो में हम उस्ताद लतीफ़ खाँ और उस्ताद सुल्तान खाँने सारंगी पर बजाये हुए हरिकौंस और सेहरा रागोंमे आलाप सुनेंगे।

आभार : पंडित यशवंतबुवा महाले.

१- २ -२०२४

Link to the list of 150+ Raga of the month articles -

@ Archive of ROTM
Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx